



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16।

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 27, 2006/माघ 7, 1927

No. 16।

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 27, 2006/MAGHA 7, 1927

वामिष्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वामिष्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 2006

अन्तिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सोडियम फार्मेलिहाइड सल्फोमिजलेट (एसएफएस) के आयात संबंधी पाटनरोधी जांच—अंतिम जांच परिणाम।

सं0 14/25/2004-डीजीएडी—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975(जिसे इसके बाद अधिनियम कहा गया है) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए:

2. जबकि मै0 ट्रांस्पेक-सिलोक्स इंडस्ट्री लिमिटेड, कालाजी मार्ग, अटलाद्वा रोड, बड़ोदरा, गुजरात, मै0 डेमोशा कौमिकल्स प्राई लिं0, 105 ए, भित्रल टावर्स, 210, नरीमन प्लाइंट, मुंबई और मै0 टी.सी.पी. लिमिटेड, टीसीपी सप्लायरी भवन, नं0 4 (पुराना नं0 10) कर्पोरेशनल नगर, मैलापुर, चैन्नई (जिन्हें इसके बाद आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे इसके बाद अधिनियम कहा गया है) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है), के अनुसार एक आवेदन-पत्र दर्ज कराया है जिसमें चीन जन. गण. (जिसे इसके बाद संघ येता कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सोडियम फार्मेलिहाइड सल्फोमिजलेट (एसएफएस) (जिसे इसके बाद संबद्ध मूल कहा गया है) के पाटन रकम असरेव लगाया गया है और अनुसेध

किया है कि संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने हेतु पाटनरोधी जांच आरंभ की जाए। प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार पाटन के आरोप के संबंध में चीन जन.गण. के दूतावास को अधिसूचित किया।

3. जबकि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर उक्त नियमावली के उप नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के आयात संबंधी पाटनरोधी जांच आरंभ के लिए भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 28 जनवरी, 2005 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिससे तथाकथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क यदि लगा दिया जाए तो क्या वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने हेतु पर्याप्त रहेगा, की राशि की अनुशंसा की जा सके।

4. और जबकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 26.8.2005 की अधिसूचना सं0 14/25/2004-डीजीएडी द्वारा प्रारंभिक जांच-परिणामों को अधिसूचित किया और चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एसएफएस के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की अनुशंसा की थी।

क. प्रक्रिया:

5. प्राधिकारी द्वारा उपरोक्त जांच के प्रारंभिक जांच-परिणामों को अधिसूचित करते हुए उक्त सार्वजनिक सूचना के जारी किए जाने के बाद इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनायी गई है:-

- (i) प्राधिकारी ने उन ज्ञात इच्छुक पक्षकारों को प्रारंभिक जांच-परिणामों की एक एक प्रति भेजी जो पत्र जारी होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्रारंभिक जांच-परिणामों पर अपने-अपने विचार, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने के इच्छुक थे;
- (ii) प्राधिकारी ने संबद्ध देश के नई दिल्ली स्थित दूतावास को भी प्रारंभिक जांच-परिणामों की एक प्रति अग्रेषित की और उनसे अनुरोध किया कि वे इन प्रारंभिक जांच-परिणामों पर अपने विचार प्रस्तुत कर दें;

- (iii) प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षकारों को सुनने हेतु दिनांक 22.9.2005 को एक मौखिक सुनवाई की। इस सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित पक्षकार से अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से व्यक्त अपने विचारों का लिखित निवेदन दर्ज कराएं;
- (iv) प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच-परिणामों के पश्चात विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों में व्यक्त सभी विचारों पर विचार किया है;
- (v) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा दी गई जानकारी की यथावश्यक सीमा तक पड़ताल की।
- (vi) प्राधिकारी ने सहकारी उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत जानकारी की भी यथावश्यक सीमा तक पड़ताल की।
- (vii) वाणिज्यिक आसूचना, एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएणडेस) से अनुरोध किया था कि वे विगत तीन वर्षों और जांच-अंवधि के लिए संबद्ध माल के आयातों के ब्यौरे प्रदान करें।
- (viii) प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुली रखी गई एक सार्वजनिक फाइल (विधिवत सूचीकृत) के रूप में विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय अंश उपलब्ध कराया, फाइलों के निरीक्षणकारी और रिकॉर्ड की प्रतियां लेने वाले इच्छुक पक्षकारों की अभिस्वीकृतियां सार्वजनिक फाइल में रखी गई हैं।
- (ix) सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत जानकारी पर आधारित भारत में संबद्ध माल की अनुकूलतम उत्पादन-लागत और विनिर्माण एवं बिक्री-लागत की गणना की गई जिससे यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त रहेगी।
- (x) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार, इन जांच-परिणामों के लिए विचार में लिए गए आवश्यक तथ्यों/आधार का ज्ञात इच्छुक पक्षकारों को खुलासा किया गया और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर भी इन जांच-परिणामों में विधिवत् विचार किया गया है।

- (xi) इस अधिसूचना में *** पर आवेदक द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी दी गई है और प्राधिकारी द्वारा उक्त नियमावली के तहत इसी पर विचार किया गया है
- (xii) यह जांच दिनांक 1.10.2003 से प्रारंभ दिनांक 30.9.2004 (जांच अवधि) तक की अवधि के लिए की गई। क्षति-विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2001-मार्च, 2002, अप्रैल, 2002-मार्च, 2003, अप्रैल, 2003-मार्च, 2004 की अवधि और जांच अवधि कवर की गई।

ख. विचाराधीन उत्पाद

6. विचाराधीन उत्पाद सोडियम फार्मेल्डिहाइड सल्फोग्जिलेट (एसएफएस) है।
7. यह एक अकार्बनिक रसायन होता है जो विशेषता महक घाले सफेद चिप्स, पावडर, राइस-पी आकार के दानों के रूप में होता है। एसएफएस का उत्पादन जिंक धूल, जल और सल्फर डाइआवसाइड की रासायनिक प्रतिक्रिया द्वारा किया जाता है। इस उत्पाद के विभिन्न रूपों में कोई वास्तविक अंतर नहीं होता है। इसके विभिन्न रूपों में उत्पादन उपभोक्ता के अन्तिम अनुप्रयोग की जरूरत पर निर्भर करता है और विभिन्न रूप एक ही सामान्य प्रयोजन को पूरा करते हैं।
8. सोडियम फार्मेल्डिहाइड सल्फोग्जिलेट (एसएफएस) का मुख्य रूप से प्रयोग वस्त्र छपाई में शक्तिशाली निस्सरण कारक के रूप में किया जाता है। इसका प्रयोग सफेद निस्सरण कारक अथवा रंगीन निस्सरण कारक के रूप में भी किया जा सकता है, रबड़ उद्योग में इसका प्रयोग स्टिरीन-बुटाडिएन रबड़ के उत्पादन में एक सक्रिय कारक के रूप में किया जाता है। इसका खाद्य, पोलीमर्स, फार्मास्यूटिकल्स तथा विविध उद्योगों में भी प्रयोग किया जाता है।
9. सोडियम फार्मेल्डिहाइड सल्फोग्जिलेट (एसएफएस) के उपशीर्ष सं0 28311020 के तहत सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 28 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और इसकी इस जांच के दायरे पर कोई बाध्यता नहीं है।

ख. 1 समान वस्तु

10. घरेलू उद्योग एसएफएस का उत्पादन विभिन्न रूपों जैसे पाउडर, फ्लेक्स, चावल दाना, आदि में कर रहा है। चीन से आयातित माल पाउडर तथा पिण्ड रूप में होता है। आवेदक कहता है कि हालांकि एसएफएस का उत्पादन विभिन्न रूपों में किया जाता है लेकिन विभिन्न रूपों में कोई वास्तविक अन्तर नहीं होता है और विभिन्न रूप एक ही सामान्य प्रयोजन को पूरा करते हैं।
11. आयातक मै0 ऐसोसिएट कैमिकल्स कारपोरेशन का दावा है कि इस उत्पाद के पिण्ड तथा पाउडर रूप जिनका चीन से आयात किया जा रहा है, का विनिर्माण भारत में नहीं किया जाता है और भारत में केवल चिप्स रूप में विनिर्माण होता है।
12. निर्यातक का कहना है कि भारत को एसएफएस की बिक्री पाउडर तथा पिण्डों के रूप में की जाती है लेकिन यह एक ही सामान्य प्रयोजन को पूरा करते हैं। तथापि, पाउडर रूप में यह पिण्ड रूप की तुलना में जल्दी घुल जाता है। वह यह भी कहता है कि दोनों रूपों की उत्पादन लागत अलग-अलग है।
13. प्राधिकारी नोट करता है कि नियम 2(घ) के अनुसार, "समान वस्तु" का आशय ऐसी वस्तु से है जो भारत में पाटित वस्तु के संबंध में जांच के अधीन शामिल वस्तु की हर तरह से एक जैसी अथवा समान है अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में अन्य ऐसी वस्तु जो हालांकि हर तरह से समान नहीं हो परन्तु वह जांच के अधीन उन वस्तुओं से मिलती-जुलती विशेषता वाली हो। प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित माल और चीन से आयातित माल परस्पर तुलनीय है। चीन से आयातित उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित मांग में कोई अंतर नहीं है और इस माल के विभिन्न रूप एक ही प्रयोजन को पूरा करते हैं। अतः घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद और संबद्ध देश से आयातित माल चूंकि सभी आवश्यक विशेषताओं में एक समान हैं, अतः उन्हें उपरोक्त नियमवली के नियम 2 (घ) के अनुसार इसके आशय के भीतर समान वस्तु समझा जाता है।

ग. घरेलू उद्योग की स्थिति और जांच का प्रारंभ

14. आवेदन-पत्र मै0 ट्रांस्पोक-साइलोक्स इंडस्ट्री लिमिटेड, कालाजी मार्ग, अतलाद्रा रोड, वडोदरा, गुजरात, मै0 डेमोसा कैमिकल्स प्रा0 लि0, 105 ए, मित्तल टावर्स, 210 नरीमन प्लाइंट, मुंबई और मै0 टीसीपी लि0, टीपीसी सप्तग्निरि भवन, नं0 4

(पुराना नं० 10) करपागंबल नगर, मैलापुर, चेन्नई द्वारा दर्ज कराया गया जो भारत में संबद्ध माल के उत्पादक हैं। इन उत्पादकों का भारत में संबद्ध माल का 100% उत्पादन हिस्सा है, अतः वे भारतीय पाटनरोधी नियमावली के आशय के भीतर घरेलू उद्योग हैं। इस संबंध में जांच के किसी भी मौके पर अनेक इच्छुक पक्षकारों ने कोई तर्क नहीं उठाया है।

घ. पाटन मार्जिन की गणना पद्धति और बाजार अर्थव्यवस्था की जांच

घ.1 घरेलू उद्योग के विचार

15. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। विगत तीन वर्षों में यूरोपीय आयोग तथा संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा चीन को गैर-बाजार-अर्थव्यवस्था माना गया है। भारत में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा चीन को दिनांक 31.5.2002 के संशोधन के पश्चात आरंभ सभी जांचों में व्यवहारिक रूप से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना है।

16. इस जांच में चीन की दो कंपनियों- एक उत्पादक तथा अन्य निर्यातक ने अपने-अपने प्रत्युत्तर दर्ज कराए हैं। इन दोनों कंपनियों ने निर्यातकों तथा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधित प्रश्नावलियों के बारे में अपने-अपने प्रत्युत्तर दर्ज कराए हैं। घरेलू उद्योग कहता है कि उत्पादक स्वयं यह दावा करता है कि उसका जांच-अवधि के दौरान निजीकरण कर दिया गया है और वह इस बात को स्वीकार करता है कि वह जांच के आरंभ के समय वह एक निजी कंपनी थी। तथाकथित निजीकरण के बाद भी यह कंपनी पर्याप्त रूप से सरकारी हस्तक्षेप के तहत जारी रही। यह कंपनी "पूर्णतया सरकारी स्वामित्वाधीन उपक्रम" से पुनर्गठित होकर जांच अवधि के दौरान "मिश्रित स्वामित्वाधीन" हो गई और मिश्रित स्वामित्वाधीन कंपनी से स्पष्ट रूप से अर्थ है कि उसमें सरकारी हस्तक्षेप की पूरी संभावना है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। घरेलू उद्योग ने आगे यह भी तर्क दिया कि यह कंपनी चूंकि जांच के प्रारंभ के समय पूर्णतया सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी थी, अतः कंपनी बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा पाने का दावा नहीं कर सकती है।

17. घरेलू उद्योग का यह भी कहना है कि एसएफएस उत्पादन के लिए एक मुख्य काल्पनिक अथवा जिंक डस्ट की कीमतों सरकारी हस्तक्षेप से मुक्त नहीं रह सकती हैं क्योंकि चीन सरकार ने इस उत्पाद पर निर्यात शुल्क लगाया हुआ है जिससे चीन में इस उत्पाद की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यह निर्यातक सरकारी स्वामित्व वाले सप्लायर से तरल सोडा खरीदता है। अतः कंपनी से यह

अपेक्षा थी कि वह इस बात को साबित करती कि कीमतें उचित बाजार मूल्यों को काफी परिलक्षित करती हैं लेकिन इस संबंध में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतें उचित बाजार मूल्यों को परिलक्षित नहीं करती हैं।

घ.2 प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के संबंध में प्रत्युत्तर की जांच

18. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के आकलन के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार इस अनुमान से कार्यवाही आगे बढ़ाई कि कोई भी देश जिसे जांच से पहले की तीन वर्षों की अवधि के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा किसी डब्ल्यूटीओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांचों के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था निर्धारित किया गया है अथवा माना गया है, वह एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश होता है। विगत तीन वर्षों में चीन जन.गण. को यूरोपीय संघ तथा संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों द्वारा पाटनरोधी जांच में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। भौजूदा मामले में चीन जन.गण. की गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में जांच किए जाने का प्रस्ताव है।

19. यथासंशोधित पाटन नियमावली के पैरा 8, अनुबंध 1 के अनुसार किसी गैर बाजार अर्थव्यवस्था को माने जाने का खंडन तभी किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर जानकारी तथा पर्याप्त साक्ष्य प्रदान कर दें और इसके विपरीत तथ्यों को साबित कर दें। चीन जन.गण. के संबद्ध माल के सहयोगकारी निर्यातकों/उत्पादकों से अपेक्षा है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधित प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक जानकारी/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत कर दें ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि:-

- क) कीमतों, लागतों तथा निविष्टियों जिनमें कच्चा माल शामिल है, प्रौद्योगिकी तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियों तथा पूँजी निवेश के संबंध में चीन जन.गण. की संबंधित फर्मों के निर्णय उन बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में किए जाते हैं जिनसे सप्लाई तथा मांग परिलक्षित होती है और जिनमें इस संबंध में सरकार का ज्यादा हस्तक्षेप नहीं होता है और कि क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें बाजार मूल्यों में कोई ज्यादा परिलक्षित नहीं होती है;

- ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति पर्याप्त गतिरोधों के अध्यधीन होती हैं जोकि पिछले गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली की वजह से प्राप्त होते हैं, विशेष रूप से परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य निपटानों, वस्तु व्यापार तथा ऋण मुआवजों द्वारा भुग्तान के संबंध में;
- ग) ऐसी फर्में दिवालिएपन तथा संपदा कानूनों के अध्यधीन होती हैं जो कानूनी निश्चितता और फर्मों के कार्यचालन संबंधी स्थायित्व की गारंटी देते हैं; और
- घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं।
20. प्राधिकारी ने समान्य मूल्य निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं। एक उत्पादक तथा संबंधित निर्यातक से प्रत्युत्तर प्राप्त हुए हैं और उन्होंने बाजार-अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) का दोवा किया है। प्रश्नावली प्रत्युत्तर की जानकारी निम्नलिखित उत्पादक/निर्यातक द्वारा दायर की गई:-
1. मै० वूक्सी सिटी डोंगतई फाइन केमिकल कं० लि० उत्पादक
 2. मै० वूक्सी ग्रीनएपल इंडस्ट्री कं० लि० संबंधित निर्यातक
21. प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में मै० वूक्सी सिटी डोंगतई फाइन केमिकल कं० लि० ने कहा कि यह कंपनी चीन जन.गण. के कंपनी कानून के तहस स्थापित एक सीमित देयता कंपनी है। इस कंपनी की उत्पादन सुविधाएं वर्ष 1958 में वूक्सी डेजहोंग केमिकल फैक्टरी के नाम से निर्मित हुई थी। दिसंबर, 1996 में यह फैक्टरी वूक्सी डेजहोंग केमिकल कंपनी लिमिटेड के नाम से सीमित देयता कंपनी के रूप में पुनर्निर्मित की गई। एक स्वतंत्र कानूनी व्यक्ति के रूप में डेजहोंग ने अपने व्यवसाय निर्णयन और दैनिक कार्यचालन तथा सरकारी हस्तक्षेप से मुक्त प्रबंधन में पूर्ण स्वायत्ता का लाभ उठाया। इसके अतिरिक्त यह कहा जाता है कि दिनांक 11 अगस्त, 2003 को इस कंपनी ने अपना नाम वूक्सी सिटी डोंगतई केमिकल कं० लि० में बदल दिया। दिनांक 29 नवम्बर, 2004 को इस कंपनी का विलय एक अन्य कंपनी में विलय हो गया और उसने अपनी कुल पंजीकृत पूँजी में बढ़ोतरी कर दी। एक नई शेयरधारक जिनुआन मशीन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लि० इस कंपनी के साथ हो गई जिसकी शेयरधारित 1.55% थी।

22. मैं वूक्सी सिटी डोंगतई फाइन केमिकल कंपनी लिंगो में मैं वूक्सी केमिकल इंडस्ट्री ग्रुप कंपनी लिंगो (ग्रुप) द्वारा शेयरों का एक बहुत अधिक प्रतिशत धारित है। इस कंपनी में अन्य दो कंपनियों मैं वूक्सी केमिकल इंडस्ट्री ग्रुप हुआयुन ट्रेड एंड शिपमेंट कंपनी लिंगो (हुआयुन) और वूक्सी केमिकल इंडस्ट्री ग्रुप जिनुआन मशीन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिंगो (जिनुआन) का शेयरों में कम प्रतिशत हिस्सा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार "ग्रुप" तथा "हुआयुन" मिश्रित स्वामित्व वाली कंपनियां हैं जबकि "जिनुआन" एक निजी स्वामित्व वाली कंपनी है। प्राप्त विस्तृत जानकारी के अनुसार "ग्रुप" का दिनांक 26 मार्च, 2004 को पुनर्गठन किया गया जब 50 नैसर्गिक व्यक्तियों ने अपने सभी पूँजी शेयर इसमें लगा दिए। इन नैसर्गिक व्यक्तियों में से 28 का इस "ग्रुप" में इकिटी हित में काफी बड़ा प्रतिशत हिस्सा लिया। इकिटी हित में अंशदान के लिए इन 28 नैसर्गिक व्यक्तियों ने एक सरकारी स्वामित्व वाले वित्तीय संस्थान से ऋण लिया और अपना इकिटी हित इस संस्थान में रेहन रखा दिया। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि रेहन वाला कोई भी हित प्राप्त नहीं किया गया है। "हुआयुन" में "ग्रुप" का काफी बड़ा शेयर प्रतिशत धारित है और इसीलिए इसे मिश्रित स्वामित्व के रूप में परिभाषित किया गया है। "हुआयुन" में "ग्रुप" के अलावा 15 नैसर्गिक व्यक्ति भी शेयर धारक हैं। चूंकि नैसर्गिक व्यक्ति शेयरधारकों का शेयर प्रतिशत अधिक है, इसीलिए इसे निजी स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में परिभाषित किया गया है।
23. इस मामले में निर्यातक, कच्चे माल का सप्लायर और जनसुविधा उपलब्ध करता वूक्सी ग्रीनलीफ जिंग कंपनी लिंगो में "ग्रुप" का शेयर प्रतिशत काफी अधिक है, अतः इस कंपनी का स्वामित्व मिश्रित स्वामित्व के रूप में परिभाषित किया गया है।
24. कुनमिंग ग्रीनलीफ जिंग कंपनी लिंगो जो कच्चे माल की सप्लाई करता है और "हुआयुन" जो लॉजिस्टिक्स प्रदान करता है में "ग्रुप" का प्रमुख हिस्सा धारण है और यह "ग्रुप" की अनुषंगी कंपनियां हैं।
25. प्रारंभिक निवेदन पश्चात् यह निवेदन किया गया है कि नैसर्गिक व्यक्ति शेयरधारकों ने निधियां ऋण लीं और खुले बाजार में शेयरों की खरीद की तथा उन्होंने यह राशि "सरकारी परिसंपत्ति प्राधिकरण" को भुगतान की। अतः "ग्रुप" का ट्रांसफार्मेशन पूर्णतया बाजार दशाओं में पूरा किया गया है। "ग्रुप" के संबंध में "मिश्रित स्वामित्व" का अर्थ विस्तार से बताते हुए यह कहा गया है कि

शेयरधारकों, वित्तीय संस्थानों तथा "ग्रुप्पे" के बीच विश्वास संबंध स्थापित है। उन्होंने आगे यह भी निवेदन किया कि "द्रस्ट कंपनी को अपने विश्वासकर्ता के लिए अपने नाम में संपदा अधिकारों की विश्वासकर्ता के इरादों के अनुसार और लाभार्थी अथवा विशेष प्रयोजनों के लिए व्यवस्था करनी होती है।" दूसरी ओर, शेयरधारकों के अधिकारों के वास्तविक प्रयास के अनुसार 50 शेयरधारकों ने "ग्रुप्पे" के संचालन में शेयरधारकों के रूप में पूर्णतया तथा स्वतंत्र रूप से प्रयास किया है और "ग्रुप्पे" कंपनी लॉ के ढांचे के अंतर्गत अपना कारोबार स्वतंत्र रूप से चलाता रहा है। अतः, उस दृष्टि से "ग्रुप्पे" एक पूर्णतया निजी स्वामित्व वाला उपक्रम है।"

26. प्रारंभिक निवेदन पश्चात और मौके पर सत्यापन के दौरान यह कहा गया कि मैं 0 वूक्सी डोंगतई फाइन केमिकल इंडस्ट्री कं0 लिं0 ने अपनी फैक्टरी किसी अन्य स्थान में पुनर्स्थापित कर दी है क्योंकि पुरानी जगह आवासीय घोषित हो गई थी।
27. प्राधिकारी नोट करता है कि "ग्रुप्पे" जोकि उत्पादक, निर्यातक कच्चे माल तथा जनसुविधाओं के सप्लायर के लिए एक धारक कंपनी है, एक "मिश्रित स्वामित्व" वाली कंपनी है। "ग्रुप्पे" के पूंजी अंशदान में दो संघटक "वस्तु" तथा "नकद" शामिल हैं। प्राधिकारी को लगता है कि संस्था नियमावली के अनुसार, शेयरधारक अपने कुल पूंजी अंशदान की तुलना में इस कंपनी के निवल परिसंपत्ति मूल्य में अनुपातिक दृष्टि से अपेक्षतया अधिक शेयर पाने के हकदार हैं।
28. सत्यापन के दौरान उत्पादक/निर्यातक कंपनी अधिकार समाप्त करने से पहले "ग्रुप्पे" के मूल्यांकन के संबंध में कोई भी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं कर सकी। वे वित्तीय संस्थानों को प्रमुख शेयरधारकों द्वारा भुगतान किए गए व्याज के संबंध में कोई भी जानकारी भी उपलब्ध नहीं करा सके। बल्कि यह कहा गया कि यह शेयरधारक तथा वित्तीय संस्थानों के बीच का एक निजी मामला है।
29. इस कैफ्टरी की पुनर्स्थापना के संबंध में सौदा नकद में हुआ, यह स्पष्ट नहीं बताया गया और ऐसी सूचना दी गई कि पुनर्स्थापना का निर्णय "ग्रुप्पे" द्वारा लिया गया क्योंकि पहले वाली जमीन उसी की थी और अब वाली जमीन भी ग्रुप्पे द्वारा ही उपलब्ध कराई गई है। किंतु, कंपनी अर्थात् वूक्सी डोंगतई फाइन केमिकल इंडस्ट्री कं0 लिं0 को जमीन संबंधी सौदे के संदर्भ में निर्णय प्रक्रिया की जानकारी नहीं थी जिससे यह स्पष्ट हो जाता कि इस कंपनी के संदर्भ में निर्णयन "ग्रुप्पे" के हाथों में है न कि कंपनी के हाथों में।

30. "गुरुपै" के सरकारी स्वामित्व से मिश्रित स्वामित्व में परिवर्तन संबंधी दावा यह साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है कि "गुरुपै बाजार अर्थव्यवस्था दशाओं के तहत कार्यचालन के लिए माने जाने हेतु पात्र है। उपलब्ध और सत्यापित जानकारी से यह स्पष्ट है कि सरकारी स्वामित्व से मिश्रित स्वामित्व में परिवर्तन, यदि कोई है "गुरुपै" के वित्तीय कार्यचालन में काफी अवरोध इंगित करने वाली बाजार अर्थव्यवस्था दशाओं के अनुसार नहीं किया गया। यह भी स्पष्ट है कि उत्पादक कंपनी के निर्णयन में "गुरुपै" का नियंत्रण होता है। प्रतिवादी कंपनी यह साबित नहीं कर सकी कि "गुरुपै बाजार अर्थव्यवस्था दशाओं में कार्यचालन कर रहा है, अतः यह परिणाम नहीं निकाला जा सकता है कि उत्पादक-निर्यातक और अन्य सप्लायर कंपनियों जिनके निर्णयन में "गुरुपै" का नियंत्रण होता है, बाजार दशाओं के तहत प्रचालन कर रहे हैं।
31. प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने कहा है कि एसएफएस उत्पादन के लिए एक प्रमुख कच्चे माल अर्थात् जिंक अथवा जिंक डस्ट की कीमतें सरकारी नियंत्रण से मुक्त होती हैं क्योंकि चीन जन.गण. सरकारी ने इस उत्पाद पर निर्यात शुल्क लगाया हुआ है जिससे चीन में इस उत्पाद की कीमतों में अवरोध आया है। अपने उत्तर में इस निर्यातक ने टिप्पणी दी है कि जिंक पाउडर पर निर्यात शुल्क न तो बराबर है और न ही किसी एनएमई का ही कोई संकेतक है। किंतु, इस बात से भी इंकार नहीं किया गया कि जिंक की कीमतों का निर्धारण बाजार संकेतकों द्वारा किया जाता है।
32. चूंकि "गुरुपै" अर्थात् धारक कंपनी का बाजार दशाओं के अनुसार कार्यचालन साबित नहीं हुआ है, अतः यह भी अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि कीमतों, लागत तथा निविष्टियों, कच्चे माल सहित, प्रौद्योगिकी तथा श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्रियों तथा पूँजीनिवेश के संबंध में उत्पादक, निर्यातक तथा सप्लायर कंपनियों के निर्णय बाजार दशाओं के प्रत्युत्तर में किए जाते हैं जिनसे सप्लाई तथा मांग परिलक्षित होती है और वह सरकार के काफी हस्तक्षेप के बिना लिए जाते हैं और यह भी कि क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें बाजार मूल्यों को परिलक्षित करती हैं। अतः प्राधिकारी प्रत्युत्तरदाता उत्पादक/निर्यातक को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था दशाओं में प्रचालन करते हुए मानने को बाध्य है।
33. अतः प्राधिकारी चीन के निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अनुबंध 1 के पैराग्राफ 1 से 6 में यथानिर्धारित सिद्धांतों को लागू नहीं

कर सकता है। चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में यथाविहित गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी नियमावली के अनुसार किया जाता है।

34. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वह सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा आकलित मूल्य अथवा ऐसी कीमत के आधार पर करे जो ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए निर्धारित होती है अथवा जहां यह संभव नहीं हो, वह किसी अन्य यथोचित आधार पर जिसमें वास्तविक रूप से समान उत्पाद के लिए भारत में दी गई हो। यथोचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में सामान्य मूल्य वः निर्धारण के लिए संभावना प्राप्त करने हेतु कोई भी आंकड़े/जानकारी उपलब्ध नहीं है। इस संबंध में घरेलू उद्योग ने प्रारंभिक निवेदन पश्चात् कहा थि निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए अपेक्षित होगा कि वह तीसरे देश में सहयोगकारी उत्पादकों द्वारा सभी घरेलू बिक्रियों के बारे में और अपनी उत्पादन लागत के बारे में जानकारी की पड़ताल करे ताकि सामान्य व्यापार प्रक्रिया की जांच की जा सके। किंतु, वे बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उत्पादकों से ऐसी जानकारी प्राप्त नहीं कर सके। अपने प्रारंभिक निवेदन पश्चात् और प्रकटन पश्चात् निवेदनों में निर्यातक ने निवेदन किया है कि प्राधिकारी को चाहिए कि वह प्रतिनिधि देश के विकल्प के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करें। किंतु, यह निर्यातक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के पूर्वानुमान का खंडन करते समय बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के बारे में ऐसी जानकारी ऑफर कर सकता था। किसी भी समय ऐसी ऑफर नहीं की गई। उपरोक्त के मद्देनजर यह संभव नहीं हुआ कि समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के विकल्प के बारे में टिप्पणी आमंत्रित की जा सके। भारत को तीसरे देश की कीमतों का निर्धारण भी संभव नहीं हो सका क्योंकि भारत को तीसरे देशों(संबद्ध देश से इतर) से आयात बहुत कम है जिससे सामान्य मूल्य का सार्थक निष्कर्ष निकल सके। अतः, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण "किसी अन्य यथोचित आधार" की पद्धति के आधार पर किया है।

घ.3 सामान्य मूल्य

35. इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की गणना अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर एसएफएस के विनिर्माण हेतु कच्चे माल, घरेलू उद्योग की खपत के मानदंडों और यथोचित लाभ पर विचार करते हुए किया है। उपरोक्त उपलब्ध जानकारी के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना एक अमरीकी डालर = 45.45 रु० पर जांच अवधि के दौरान औसत विनिमय दर को देखते हुए *** /मी.टन अम.डा. पर की है।
- घ.4 निर्यातक प्रश्नावली पर मै० डोंगतई फाइन केमिकल कं० लि० और मै० वूक्सी ग्रीनएप्ल केमिकल कं० लि० का प्रत्युत्तर

निर्यात कीमत

36. हालांकि सामान्य मूल्य की गणना चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में विचार करते हुए की गई है लेकिन उत्पादक/निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों और अंतर्देशीय परिवहन, बीमा, समुद्री भाड़े तथा समुद्री बीमे के संबंध में उत्पादक/निर्यातक द्वारा दी गई जानकारी का प्रयोग कारखानागत निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए किया गया है। प्राधिकारी ने भारित औसत सीआईएफ कीमत को *** अम.डा. पर उत्पादक से आयात और *** अम.डा. पर अंतर्देशीय भाड़े के लिए समायोजन, *** अम.डा. पर अंतर्देशीय बीमे पर लिया है जिससे एसएफएस के लिए कारखानागत निर्यात कीमत *** अम.डा./मी.टन बैठती है (जांच अवधि के लिए 45.45 रु० = 1 अम.डा. की औसत विनिमय दर अपनाई गई है)। (प्रकटन विवरण-पत्र में निर्यातक को संगत आंकड़े गोपनीय जानकारी के रूप में खुलासा किए गए हैं)।

घ.5 चीन जन.गण. के अन्य निर्यातक/उत्पादक

निर्यात कीमत

37. कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण प्राधिकारी के पास उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी ने सीआईएफ कीमत निर्यातों के *** अम.डा. पर ली है। *** अम.डा. पर समुद्री भाड़े, *** अम.डा.

पर अंतर्देशीय भाड़े, *** अम.डा. पर समुद्री भाड़े, *** अम.डा. पर समुद्री बीमे और एसएफएस के लिए औसत कारखानागत निर्यात कीमत के रूप में कमीशन *** अम.डा./मी.टन बैठती है। (जांच अधिक के लिए $45.45 \text{ रु} = 1 \text{ अम.डा.}$ की औसत विनिमय दर अपनाई गई है)।

पाटन मार्जिन

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन
मै0 डोगतई केमिकल कं0 लि0 और मै0 च्यूबसी ग्रीनएप्ल केमिकल कं0 लि0	अम.डा. ***	अम.डा. ***	87.66%
चीन जन.गण. के अन्य निर्यातक/उत्पादक	अम.डा. ***	अम.डा. ***	185.05%

38. पाटन मार्जिन काफी है और यह न्यूनतम सीमा से अधिक है।

उ. क्षति निर्धारण संबंधी पद्धति और कारणात्मक संबंधों की जांच

उ.1 घरेलू उद्योग के विचार

38. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी के समक्ष अपने निवेदन में तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को चीन जन.गण. से संबद्ध माल के पाटन के कारण क्षति हो रही है। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया कि उन्हें चीन से आयातों की लैंडेड कीमत के आधार पर कीमतों को बेंच मार्क करने को बाध्य होना पड़ा। हालांकि घरेलू उद्योग अपनी कीमतों की आयातों के आधार पर बेंच मार्किंग करने का प्रयास करता रहा है लेकिन चीन से होने वाले आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हुई है। कीमत कटौती तथा कीमतों की बेंच मार्किंग आयातों पर आधारित होने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों में गिरावट करने को बाध्य होना पड़ा जिससे घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में

गिरावट आई है। वास्तविक कीमत वृद्धि करने की घरेलू उद्योग की असमर्थता इसलिए सफल नहीं हो सकी क्योंकि पाटित आयात होते रहे, इस प्रकार घरेलू उद्योग को कीमतों में गिरावट के कारण हानि हुई। घरेलू उद्योग को लाभ में गिरावट का कारण स्पष्ट रूप से पाटित आयातों का होना है और लाभ कम होने से नकद प्रवाह तथा लगाई गई पूँजी से होने वाली आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

39. हालांकि घरेलू उद्योग ने अपेक्षित अधिक बिक्री मात्रा दर्शाई है लेकिन जहां तक लाभ का संबंध है, घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक रही है। भारत में मांग में धीन से होने वाले आयातों के बाजार हिस्से में काफी वृद्धि हुई है और उसके परिणामस्वरूप भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। हालांकि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है लेकिन उसके बाजार हिस्से में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में यह गिरावट धीन से हुए पाटित आयातों के कारण आई है। यद्यपि बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है लेकिन घरेलू उद्योग को उपानुकूल क्षमता उपयोग का सामना करना पड़ा।

उत्पादक-निर्यातक (मै0 वूकसी डॉंगतई फाइन केमिकल कं0 लि0 और मै0 वूकसी ग्रीनएप्ल केमिकल कं0 लि0) के विचार

40. उत्पादक-निर्यातक ने अन्य बातों के साथ-साथ तर्क दिया है कि मांग, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उत्पादन, बिक्रियों, निर्यातों, रोजगार, उत्पादकता, मजदूरियों जैसे प्रमुख अनेक कारकों में सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जांच-अवधि में 84% के उच्च-स्तर पर रहा है जबकि पिछले वर्ष यह 86% रहा था। किंतु, प्राधिकारी को यह सुधार पर्याप्त नहीं लगा है। चूंकि माननीय न्यायाधिकरण ने निर्णय दिया है कि वास्तविक क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी को आदर्श दशाओं के आधार पर कार्यवाही नहीं करनी चाहिए। इसका अर्थ यह है कि यदि जांच अवधि के दौरान प्राधिकारी को अनेक कारकों में सुधार नजर नहीं आया है, तब यह ऐसा नहीं समझा जा सकता है कि कुछ आदर्श स्थिति की तुलना में यह अपर्याप्त समझा जाए। यह भी निवेदन किया गया है कि कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।

ड.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

41. प्राधिकारी ने विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा अपने-अपने निवेदनों में किए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है जिनमें प्रारंभिक जांच-परिणाम के बाद किए गए निवेदन भी शामिल हैं।
42. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में इन दोनों की उद्देश्यपूर्ण जांच का प्रावधान है, (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। प्राधिकारियों से अपेक्षा है कि वे इस बात की जांच करें कि क्या आयातों में समग्र दृष्टि से अथवा आयातक सदस्य के उत्पादन अथवा खपत की दृष्टि से, अधिक वृद्धि रही है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारियों से अपेक्षा है कि वे इस बात की जांच करें कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में काफी कटौती हुई है अथवा यह भी कि क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमतों में काफी सीमा तक अन्यथा दबाव आया है अथवा कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जोकि अन्यथा काफी सीमा तक हो गई होती।
43. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध माल के पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभाव और कीमतों तथा लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है जिससे यह जांच की जा सके कि क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई है, रहे हैं।
44. चूंकि संबद्ध देश से हुए निर्यातों के बारे में सकारात्मक पाटन-मार्जिन साबित हो गया है अतः संबद्ध देश से हुए सभी निर्यात क्षति विश्लेषण एवं कारणात्मक संबंधों की जांच के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माने गए हैं।
- (क) मात्रा प्रभाव: पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर प्रभाव
45. घरेलू उद्योग ने कहा कि संबद्ध माल के आयात 28311020 से इतर शीषों के तहत बताए गए हैं। डीजीसीआईएंडएस ने शुद्धियां करने के बाद आंकड़े प्रदान किए हैं लेकिन इनमें आयात अब भी कम दर्शाए गए हैं। घरेलू उद्योग

ने इंटरनेशनल बिजनेस इन्फारमेंशन सर्विसिज (आईबीआईएस) से सौदेवार व्यौरे प्रस्तुत किए हैं और कहा है कि इन आंकड़ों पर विश्वास किया जाना चाहिए क्योंकि इनमें सही-सही तस्वीर दर्शाई गई है।

46. प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस, आईबीआईएस के आंकड़ों और सहयोगकारी निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई निर्यात जानकारी की जांच की है। डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आंकड़े दर्शाते हैं कि आयात कम हुए हैं जबकि निर्यातक ने अधिक निर्यात होने के बारे में बताया है। इस बात का भी सत्यापन किया गया है कि संबद्ध माल के आयात अलग-अलग उपशीषों के तहत हो रहे बताए गए हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि आईबीआईएस द्वारा बताए गए आयात आंकड़े निर्यातक द्वारा बताई गई निर्यात जानकारी के आसपास बैठते हैं। अतः प्राधिकारी आईबीआईएस द्वारा बताए गए आंकड़ों पर विश्वास करता है।

i) आयात मात्रा तथा संबद्ध देश का हिस्सा

देश	यूनिट	2001-2002	2002-2003	2003-04	अक्तू.03-सित.04
		मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा
		मी.टन	मी.टन	मी.टन	मी.टन
चीन	मी.टन	40.00	90.00	1,010.00	1,222.40
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	225	2,525	3,056
अन्य देश	मी.टन	-	-	20.00	40.00
कुल ज्ञात आयात	मी.टन	40.00	90.00	1,030.00	1,262.40
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	225	2575	3156
संबद्ध देश का बाजार हिस्सा		100%	100%	98.05%	96.83%

47. आयात आंकड़े दर्शाते हैं कि संबद्ध देश से हुए आयातों में आधार वर्ष 2001-02 की तुलना में जांच अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है। जांच अवधि के

दौरान यह 1222 मी.टन रहे जबकि वर्ष 2001-02 में यह 40 मी.टन के हुए थे। इसकी तुलना में अन्य देशों से हुए आयात जांच अवधि के दौरान 40 मी.टन के हुए जबकि वर्ष 2001-02 में यह आयात "शून्य" रहे थे। संबद्ध देश का इन आयातों में जांच अवधि के दौरान बाजार हिस्सा 90.83% रहा।

ii) मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्से

क) मांग में वृद्धि

	यूनिट	2001-2002		2001-2002		2003-2004		अक्तू.03-सित.04	
		मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा	हात्रा
मांग	मी.ट	***	***	***	***	***	***	***	***
ट्रैड	सूचीकृत 1	100	100	128	127	143	129	151	124

48. मांग की गणना घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों और सभी देशों से संबद्ध माल के हुए आयातों को जोड़कर की गई है। आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान मांग में वृद्धि 51% रही (कैप्टिव बिक्रियों सहित मांग में 60% की वृद्धि रही) जबकि संबद्ध देश से हुए आयातों में उसी अवधि के दौरान 3056% की वृद्धि रही।

ख) घरेलू उद्योग का उत्पादन

	यूनिट	2001-2002	2002-2003	2003-04	अक्तू.03-सित.04

प्रति स्थापित क्षमता					
घरेलू उद्योग	मी.ट	8900	8900	9500	10000
ट्रांसपोक-सिलोक्स	मी.ट	6000	6000	6600	7100
डेमोशा	मी.ट	2400	2400	2400	2400
टीसीपी	मी.ट	500	500	500	500
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	100	107	112
उत्पादन					
ट्रांसपोक-सिलोक्स	मी.ट	***	***	***	***
डेमोशा	मी.ट	***	***	***	***
टीसीपी	मी.ट	***	***	***	***
घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी.ट	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	129	130	143
क्षमता उपयोग					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	129	121	127

49. क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग के आंकड़ों से विदित होता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता में वर्ष 2003-04 और विशेष रूप से जांच अवधि के दौरान मौजूदा क्षमता में अवरोध समाप्त करने के बाद वृद्धि हुई है। संपूर्ण अवधि के दौरान उत्पादन में सतत रूप से वृद्धि होती रही। इसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच-अवधि के दौरान 43% की वृद्धि हुई। क्षमता उपयोग में भी आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 27% की वृद्धि रही लेकिन क्षमता उपयोग संबद्ध माल की मांग में वृद्धि को देखते हुए अधिकांश रूप से कम रहा।

ग) घरेलू उद्योग की बिक्रियाँ

	यूनिट	2001-2002	2002-2003	2003-04	अक्तू.03-सित.04

घरेलू बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	127	123	127
निर्यात बिक्रियां	मी.ट	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	121	127	173
कैप्टिव बिक्री	मी.ट	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	265	1195	980

50. उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 43% की वृद्धि हुई है जबकि घरेलू बिक्रियां में उसी अवधि के दौरान 27% की वृद्धि रही है(कैप्टिव बिक्रियां सहित घरेलू बिक्रियां में 35% की वृद्धि रही)। उसी अवधि के दौरान औसत माल सूची में आधार वर्ष की तुलना में 98% की वृद्धि रही है, जिससे इंगित होता है कि मांग में वृद्धि होने से घरेलू उद्योग को लाभ नहीं हुआ है। जांच अवधि के दौरान औसत माल सूची में 98% की वृद्धि और मांग में लगभग 51% की वृद्धि होने की तुलना में बिक्रियां में 17% की वृद्धि यह दर्शाती है कि मांग में वृद्धि होने से घरेलू उद्योग को वृद्धि दर में लाभ नहीं हुआ है।

घ) मांग तथा बाजार हिस्सा

	यूनिट	2001-2002	2002-2003	2003-04	अक्तू.03-सित.04

52. संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर होने वाले प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम दाम पर बिक्री, कीमत दबाव और कीमत हास, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन की भारित औसत लागत, भारित औसत निवल बिक्री वसूली (एनएसआर) और अक्षतिकारी कीमत (एनआईपी) (घरेलू उद्योग की लागत निर्धारण जानकारी को मानक मानते हुए परिणित) की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों की लैंडेड लागत से की गई है।

(i) विचाराधीन अवधि के लिए कीमत का आकलन

चीन जन.गण	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
रु0/मी.टन	42507	36771	30404	29511
सूचीकृत	100	87	72	69

53. कीमतों संबंधी आंकड़ों से विदित होता है कि संबद्ध देश की कीमतों में आधार वर्ष से निरंतर गिरावट आती रही। जांच अवधि के दौरान यह आधार वर्ष के 100 से घटकर 69 (सूचीकृत) रह गई।

(ii) कीमत कटौती तथा कम दाम पर बिक्री के प्रभाव

उत्पादन लागत	यूनिट	2001-2002	2002-2003	2003-04	अक्टू.03-सित.04

आउटपुट/उत्पादन						
घरेलू बिक्री	मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	129	130	143	
आयात-चीन	मी.ट	40	90	1010	1222	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	225	2525	3056	
अन्य देश	मी.ट	00	00	20	40	
कुल ज्ञात आयात	मी.ट	40	90	1030	1262	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	225	2575	3156	
घरेलू बिक्रियां	मी.ट	***	***	***	***	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	127	123	127	
कैटिव खपत	मी.ट	***	***	***	***	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	265	1195	980	
मांग	मी.ट	***	***	***	***	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	128	143	151	
मांग में हिस्सा						
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	99	86	84	
चीन	%	***	***	***	***	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	176	1,769	2,025	
अन्य देश	%	-	-	0.28	0.53	

51. संबद्ध माल की कुल घरेलू मांग में आधार वर्ष 2001-02 की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगभग 51% की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान अपना उत्पादन लगभग 43% बढ़ा दिया लेकिन बिक्रियां में केवल 27% की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग की मांग में हिस्सा वर्ष 2001-02 में 100 के आधार की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटकर 84 रह गया जबकि संबद्ध देश का हिस्सा बढ़कर उसी अवधि के दौरान आधार वर्ष के 100 की तुलना में 2025 हो गया(घरेलू उद्योग की कैटिव बिक्री सहित मांग में हिस्सा संबद्ध देश के हिस्से की तुलना में जांच-अवधि के दौरान घटकर 85 रह गया जो आधार वर्ष के 100 की तुलना में बढ़कर 1915 हो गया)।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

घरेलू उद्योग	रु0/ मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	94	95	100
बिक्री कीमत- घरेलू उद्योग	रु0/ मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	99	96	88
निवल बिक्री वसूली(एनएस आर x बिक्री)	मी.ट	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	126	118	111
घरेलू उद्योग	लाख रु0	***	***	***	***
लैंडेड मूल्य					
सीमा शुल्क	%	35.00	30.00	25.00	21.25
चीन	रु0/मी.टन	51725	46618	41335	36019
कीमत कटौती	रु0/मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती(सीमा)	%	***	***	***	***
एनआईपी					***
कम कीमत पर बिक्री					***

54. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत (निवल बिक्री वसूली) वर्ष 2001-02 के 100 के आधार से जांच अवधि के दौरान उत्पादन लागत की तुलना में गिरावट दर्शाती है जिसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान परिवर्तन नहीं आया ।
55. कीमत कटौती का निर्धारण जांच की संषुर्ण अवधि के लिए संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के भारित औसत लैंडेड मूल्य से उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री वसूली से तुलना कर किया गया है । इस प्रयोजनार्थ आयातों के लैंडेड मूल्य की गणना 1% सुपुर्दग्गी प्रभार और संबद्ध देश के आयात कीमतों के आईबीआईएस आंकड़ों में बताए गए मूल्य में लागू मूल सीमाशुल्क को जोड़कर की गई है ।
56. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली के निर्धारण में घरेलू उद्योग द्वारा ऑफर की गई छूट, डिस्काउंट तथा कमीशन और दिए गए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की छूट दी गई है ।

57. कम कीमत पर बिक्री कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देश से आयात की भारित औसत लैंडेड कीमतों की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की अक्षतिकारी बिक्री कीमत से की गई है।
58. प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध देश से हुए आयात घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली और घरेलू उद्योग के लिए आकलित अक्षतिकारी कीमत से काफी कम रहे हैं। इस प्रकार काफी कीमत कटौती और कम दाम पर बिक्री कीमत कम हो गई। जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती 23-33% की सीमा में रही है और कम दाम पर बिक्री कीमत 28-38% की सीमा में रही है।

(iii) पाटित आयातों के कीमत दबाव तथा हास प्रभाव

59. पाटित आयातों के कीमत दबाव प्रभावों की संबद्ध देशों की उत्पादन लागत, निवल बिक्री वसूली तथा लैंडेड मूल्यों के संदर्भ में जांच की गई है।
60. उत्पादन लागत की प्रवृत्ति से यह परिलक्षित होता है कि जांच अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में उत्पादन लागत समान स्तर पर रही है जबकि निवल बिक्री वसूली से आधार वर्ष के 100 से जांच अवधि के दौरान 88 की वसूली की चिह्नित गिरावट दर्शाई गई है। लैंडेड कीमतों में आधार वर्ष के 100 से जांच अवधि के दौरान 70 तक की गिरावट आई जिसके परिणामस्वरूप आधार वर्ष के 100 से जांच अवधि के दौरान 88 तक की कीमत मंदी आ गई।

उ.3 अन्य क्षतिकारी कारकों की जांच

61. घरेलू उद्योग की मात्रा तथा कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और घरेलू उद्योग की मात्रा तथा आयात मात्रा, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री जैसे प्रमुख क्षतिकारकों और पिछले भाग में विभिन्न खंडों के बाजार हिस्सों से मांग पैटर्न जिनसे घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति इंगित होती है, की जांच करने के बाद उनका विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:

i) वृद्धि

62. वर्ष दर वर्ष परिवर्तन आधार से विश्लेषित वृद्धि उत्पादन, क्षमता उपयोग, उत्पादन लागत, आयात मात्रा तथा मांग के अनुसार सकारात्मक रही जबकि

घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली, लाभ, बाजार हिस्सा, पूंजी निवेश पर आय के अनुसार यह वृद्धि नकारात्मक रही ।

ii) उत्पादकता

	यूनिट	2001-2002	2002-2003	2003-04	अक्तू.03-सित.04
रोजगार					
घरेलू उद्योग	सं०	***	***	***	***
	सूचीकृत	100	106	102	102
प्रति कर्मचारी उत्पादकता					
घरेलू उद्योग	मी.टन	***	***	***	***
	सूचीकृत	100	122	127	140

63. रोजगार स्तर में कोई ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है और इसमें वृद्धि आधार वर्ष के 100 से जांच अवधि के दौरान केवल 102 तक हो गई । जबकि कर्मचारियों की उत्पादकता में आधार वर्ष के 100 से जांच अवधि के दौरान 140 तक का चिह्नित सुधार दर्शाया गया है । लेकिन, इस बढ़ी हुई उत्पादकता से लाभप्रदता की दृष्टि से घरेलू उद्योग को लाभ नहीं हुआ है ।

iii) नकद प्रचाहर पर लाभ तथा वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव

	यूनिट	2001-2002	2002-2003	2003-04	अक्तू.03-सित.04
लाभ					

विक्री लागत					
घरेलू उद्योग	रु0/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	94	96	100
मिवल विक्री वसूली					
घरेलू उद्योग	रु0/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	99	96	88
लाभ/हानि प्रति मी.टन					
घरेलू उद्योग	रु0/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	288	124	-299
घरेलू विक्रियों पर लाभ/हानि (पीबीटी x घरेलू विक्रिया)					
घरेलू उद्योग	लाख रु0	***	***	***	***
प्रधृति	सूचीकृत	100	367	153	-379
नकद प्रवाह					
घरेलू उद्योग	लाख रु0	***	***	***	***
प्रधृति	सूचीकृत	100	290	152	-191

64. उत्पादन लागत आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान एकसमान रही जबकि विक्री कीमत उसी अवधि के दौरान घटकर 88% रह गई । जांच अवधि के दौरान प्रति यूनिट हानि - 299 रही जबकि वर्ष 2001-02 में 100 का लाभ हुआ था । नकद लाभ में हानि - 191 दर्शाई गई है जबकि वर्ष 2001-02 में 100 का लाभ हुआ था ।

iv) रोजगार तथा मजदूरियाँ

	यूनिट	2001-2002	2002-2003	2003-04	अक्तू.03-सित.04
रोजगार					
घरेलू उद्योग	सं0	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	106	102	102
मजदूरी	लाख रा0	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	126	85	136

65. रोजगार स्तर में परिवर्तन नहीं आया है। यह आधार वर्ष के 100 की तुलना में जांच-अवधि के दौरान 102 रहा। मजदूरियाँ आधार वर्ष के 100 से जांच अवधि के दौरान बढ़कर 136 हो गई। किंतु, प्रति यूनिट उत्पादन की मजदूरियों में केवल 2% की ही वृद्धि हुई।

v) पूंजी निवेश पर आय और पूंजी लगाने की सामर्थ्य

	यूनिट	2001-2002	2002-2003	2003-04	अक्तू.03-सित.04
निवल फिक्स्ड परिसंपत्तियाँ					
घरेलू उद्योग	लाख रा०	***	***	***	***
	सूचीकृत	100	90	93	92
कार्यशील पूंजी					
घरेलू उद्योग	लाख रा०	***	***	***	***
	सूचीकृत	100	111	110	109
लगाई गई पूंजी-एनएफए					
घरेलू उद्योग	लाख रा०	***	***	***	***
लगाई गई पूंजी पर आय					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
	सूचीकृत	100	177	48	-134

66. नियोजित पूंजी आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान समान स्तर पर रही। एनएफए आधार पर पूंजी निवेश पर आय आधार वर्ष के 100 की तुलना में -134 पर नकारात्मक हो गई।

vi) पूंजी निवेश

67. प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने क्षमता आधार वर्ष के 6920 से बढ़ाकर मौजूदा क्षमता में अवरोध दूर करके वर्ष 2003-04 में 8964 कर दी। घरेलू उद्योग द्वारा जांच अवधि के दौरान कोई नया पूंजी निवेश नहीं किया है और जैसाकि उन्होंने कहा है, आगे भी और पूंजी निवेश करने की उनकी कोई योजना नहीं है।

vii) पाटन की मात्रा

68. उस सीमा तक जहां पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, एक संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा से विदित होता है कि संबद्ध देश के विरुद्ध जांच अवधि के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन नकारात्मक रहा है।

viii) कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कारक

69. लागत ढांचे में परिवर्तन, यदि कोई हो, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धी प्रतिस्थापनों की कीमतों की पाटित आयातों से इतर उन कारकों के विश्लेषण के लिए जांच की गई है जिनसे घरेलू बाजार में कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। उत्पादन-लागत समान स्तर पर रही किंतु, बिक्री कीमत में गिरावट काफी रही। प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध देश से आयातित माल के लैंडेड मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम रहे हैं जिनके कारण भारतीय बाजार में जबरदस्त कीमत कटौती हुई।

ix) माल सूची

	यूनिट	2001-2002	2002-2003	2003-04	अक्तू.03-सित.04
ओसत स्टॉक	मी.ट	***	***	***	***
	सूचीकृत	100	156	191	198

70. आंकड़ों से इंगित होता है कि माल सूची में आधार वर्ष के 100 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 98% की वृद्धि हुई। दिनों की संख्या में परिवर्तित होने से परिलक्षित होता है कि माल सूची में आधार वर्ष में बिक्री के 23 दिनों की तुलना में जांच-अवधि में बिक्री दिवस बढ़कर 36 हो गए।

इ.4 क्षतिकारकों पर निष्कर्ष

71. उपरोक्त क्षतिकारकों की जांच से इंगित होता है कि मांग में वृद्धि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 51 रही। घरेलू उद्योग ने अपने उत्पादन

में लगभग 43% की वृद्धि की लेकिन बिक्रियों में वृद्धि केवल 27% की रही । इसी अवधि के दौरान संबद्ध माल के आयातों में काफी वृद्धि हुई और यह जांच अवधि के दौरान 1222 मी.टन हो गए जिसके फलस्वरूप आधार वर्ष के 100 की तुलना में मांग में आयातों का हिस्सा बढ़कर 2025(सूचीकृत) हो गया जबकि उसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का हिस्सा घटकर 84 रह गया ।

72. कीमत कटौती जांच अवधि के दौरान 23-33% की सीमा में रही । उसी अवधि के दौरान कम दाम पर बिक्री कीमत 28-38% की सीमा में रही । उत्पादन लागत आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान समान स्तर पर रही । कीमत मंदी निवल बिक्री वसूली की प्रवृत्ति से विदित है । इसमें एनएसआर की गिरावट आधार वर्ष के 100 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 88 रह गई । हालांकि बिक्री मात्रा में 27% की वृद्धि हुई लेकिन बिक्री मूल्य में केवल 11% की ही वृद्धि हो सकी । उसी अवधि के दौरान औसत माल सूची में वृद्धि हुई जो आधार वर्ष के 100 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 198 हो गई । लाभप्रदता में आधार वर्ष के 100 की तुलना में जांच अवधि के दौरान -299 (सूचीकृत) की हानि दर्शाई गई है । इसी प्रकार, नकद लाभ में उसी अवधि के दौरान -191(सूचीकृत) की हानियाँ दर्शाई गई हैं । एनएफए आधार पर पूंजी निवेश आय से आधार वर्ष के 100 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 134 की नकारात्मक आय दर्शाई गई है ।
73. उत्पादकता में वृद्धि तो हुई है लेकिन उत्पादकता में इस वृद्धि के बावजूद लाभ में वृद्धि नहीं हुई बल्कि उसमें गिरावट आई है ।

ड.5 अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

74. उपरोक्त विश्लेषण से इंगित होता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप से तथा मांग में हिस्से की दृष्टि से काफी वृद्धि हुई है । संबद्ध देश से होने वाले आयातों में वृद्धि होने से घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में काफी बदलाव आया है । संबद्ध देश से पाटित आयातों के लैंडेड मूल्य से भी घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी कीमत कटौती तथा कम दाम पर बिक्री

कीमत में काफी गिरावट आई है जिससे घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों को आयात कीमतों पर बेंच मार्क करने में बाध्य होना पड़ा जिससे वह घरेलू बाजार में बाजार हिस्से तथा बिक्री मात्रा को कायम रख सके। इससे यह भी परिलक्षित होता है कि उत्पादन तथा बिक्री मात्रा में सुधार होने से घरेलू उद्योग के लाभ में परिवर्तन नहीं आया है क्योंकि पाटित आयातों और मात्रा तथा कीमत प्रभावों के कारण हुई क्षति के बीच एक स्पष्ट कारणात्मक संबंध स्थापित करते हुए पाटित आयातों की कीमतों का जबरदस्त दबाव रहा था।

75. प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध के मुद्दे और उक्त नियमावली में यथानिर्धारित अन्य गैर-श्रेयस्कर कारकों की भी जांच की है ताकि अन्य कारकों के कारण होने वाली क्षति, यदि कोई हो, को कम किया जा सके। इस संबंध में उक्त नियमावली में यथानिर्धारित निम्नलिखित संकेतात्मक कारकों की जांच की गई है।
- अन्य लोतों से होने वाले आयातों की मात्रा तथा कीमतें
76. प्राधिकारी नोट करता है कि अन्य देश से होने वाली आयातों की मात्रा कोई ज्यादा नहीं रही। संबद्ध देश से होने वाले आयातों का हिस्सा जांच अवधि के दौरान कुल आयातों के 97% रहा। इस प्रकार, अन्य देशों से होने वाले आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।
- मांग में गिरावट और/अथवा खपत पैटर्न में परिवर्तन
77. संबद्ध माल में क्षति अवधि के दौरान सतत वृद्धि दर्शाई गई है। संबद्ध माल की कुल मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 51% की वृद्धि दर्शाई गई है। घरेलू बाजार में इस उत्पाद के खपत पैटर्न में कोई ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।
- व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां तथा विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

78. प्राधिकारी नोट करता है कि इस उद्योग में कोई भी प्रतिबंधात्मक पद्धति मौजूद नहीं है जिसे घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का कारण माना जा सके ।

iv) प्रौद्योगिकी विकास

79. प्राधिकारी नोट करता है कि इस उत्पाद की उत्पादन प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं आया है । अतः किसी अन्य प्रौद्योगिकी के विकास को घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है ।

v) निर्यात निष्पादन तथा कैप्टिव खपत

80. प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में सतत वृद्धि दर्शाई गई है । मात्रा में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है । अतः, यह कारक घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का कारण नहीं है । कैप्टिव बिक्रियों के संबंध में प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग के पास कैप्टिव बिक्रियों का एक बहुत ही कम % हिस्सा होता है लेकिन इसमें वृद्धि का रुख दर्शाया गया है । जबकि कैप्टिव बिक्रियों सहित मांग में जांच अवधि के दौरान 60% की वृद्धि दर्शाई गई है लेकिन कैप्टिव बिक्रियों सहित घरेलू बिक्रियों में आधार वर्ष की तुलना में केवल 35% की वृद्धि हुई । घरेलू उद्योग की मांग का हिस्सा घटकर 85(सूचीकृत) रह गया जबकि घरेलू उद्योग का हिस्सा आधार वर्ष के 100 की तुलना में बढ़कर 1915(सूचीकृत) हो गया । चूंकि कैप्टिव खपत का प्रयोग अनुप्रवाही उत्पादों के उत्पादन तथा बिक्रियों के लिए किया गया है । अतः ऐसी कैप्टिव खपत पर पाटन का कोई प्रतिकूल कीमत प्रभाव दिखाई नहीं दिया । इसके अलावा, चूंकि प्राधिकारी ने कैप्टिव खपत के लिए आशयित उत्पादन को शामिल करके औसत उत्पादन लागत का निर्धारण किया है अतः घरेलू उद्योग को हुई निर्धारित क्षति अनुप्रवाही उत्पादों के संभावित प्रतिकूल निष्पादन के कारण नहीं हुई ।

vi) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

81. प्रति कर्मचारी उत्पादन की दृष्टि से घरेलू उद्योग की उत्पादकता में काफी सुधार दर्शाया गया है। अतः, उत्पादकता एक ऐसा कारक नहीं है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके। वास्तव में, घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादकता में सुधार करके अपने घरेलू कार्यचालन में अपनी हानियों को कम करने का प्रयास किया है।
82. ऐसा कोई अन्य कारक प्राधिकारी के संज्ञान में नहीं लाया गया है जिसके कारण घरेलू उद्योग को हानि होने की संभावना हो।
83. उपरोक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष दिया जाता है कि संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध माल की कीमतें उसके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की अक्षतिकारी कीमत और आवेदकों की संबद्ध माल की औसत बिक्री वसूली की कीमतों पर रही है और पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध स्पष्ट रूप से साबित हो गए हैं।

च. पाटन मार्जिन की मात्रा

84. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अक्षतिकारी कीमत की तुलना पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए नियर्यातों के लैंडेड मूल्य से की गई है। संबद्ध देश से नियर्यातों की भारित औसत लैंडेड कीमत और पाटन मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:-

क्षति मार्जिन की गणना

कंपनी का नाम	क्षति गणना
मै0 डोगतई केमिकल	***
कं0 लि0 और मै0 व्यूक्सी ग्रीनएप्ल केमिकल कं0 लि0	
चीन जन.गण. से	***
अन्य	

छ. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

85. पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्यतया पाटन को समाप्त करना होता है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही हो और भारतीय बाजार में एक मुक्त तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनर्स्थापित करना होता है जोकि देश के सामान्य हित में जरूरी है।
86. प्राधिकारी समझता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण संबद्ध माल अथवा संबद्ध माल के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और उसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की संबंधित प्रतिस्पर्धा पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। किंतु, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा इन पाटनरोधी उपायों द्वारा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय करने के फलस्वरूप पाटन पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुदित लाभ प्राप्त नहीं हो सकेंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट रुक्ष सकेगी और संबद्ध माल के उपभोक्ताओं को अपेक्षित अधिक विकल्प की उपलब्धता कायम रखने में सहायता मिलेगी। अनुप्रवाही उद्योग पर प्रभाव कम से कम करने की दृष्टि से प्राधिकारी ने यह समुचित समझा है कि पाटन तथा क्षति मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क की अनुशंसा की जाए। प्राधिकारी नोट करता है कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से होने वाले आयात किसी भी तरह से रोके नहीं जा सकेंगे अतः उससे उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ज. निष्कर्षः

87. उपरोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:

- (क) संबद्ध देश से संबद्ध माल का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है,
- (ग) वास्तविक क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है।

ज. सिफारिशें

88. यह आवश्यक समझा जाता है कि संबद्ध माल के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगा दिया जाए। तदनुसार, प्राधिकारी सोडियम फार्मलिहाइड सल्फोग्जिलेट (एसएफएस) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करता है।

89. यह निर्णय लिया जाता है कि पाटन मार्जिन के बराबर अथवा से कम की राशि के पाटनरोधी शुल्क, यदि लगाया जाए, तो क्या इससे घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति दूर होगी, की अनुशंसा की जाए। आयातों की मैंडेड कीमत की तुलना जांघ-अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की अक्षतिकारी कीमत से भी की गई। तदनुसार, नीचे दी गई तालिका के कॉलम 8 में इंगित राशि के बराबर के पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है जो संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी होने वाली अधिसूचना की तारीख से प्रभावी होगा।

शुल्क तालिका

क्र सं	उप-शीर्ष अथवा टैरिफ मद	माल का विवरण	उद्गम का देश	नियोजित का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	28311020 अथवा सीमाशुल्क का अन्य कोई शीर्ष	सोडियम फार्मलिहा इड सल्फोग्निं लेट(एस एफ एस)	चीन जन.गण	चीन जन.गण.	वूक्सी सिटी डोंगताई फाइन केमिकल कं.लिं.0	वूक्सी ग्रीन एपल केमिकल इंडस्ट्री कं.लिं.0	471.91	मी.टन	अम.डा.
2.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण	चीन जन.गण.	वूक्सी सिटी डोंगताई फाइन केमिकल कं.लिं.0	कोई	471.91	मी.टन	अम.डा.
3	-वही-	-वही-	चीन जन.गण	चीन जन.गण.	कोई	कोई	657.87	मी.टन	अम.डा.
4	-वही-	-वही-	चीन जन.गण	चीन से इतर कोई देश	कोई	कोई	657.87	मी.टन	अम.डा.
5	-वही-	-वही-	चीन जन.गण से इतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	657.87	मी.टन	अम.डा.

90. इस प्रयोजनार्थ आयातों का लैंडेड मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क विभाग द्वारा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के सभी शुल्क होंगे।

91. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर्ता अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th January, 2006

Final Findings

Subject : Anti-dumping investigation involving import of Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS) exported from or originating in China PR—Final Findings.

No. 14/25/2004-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. Whereas M/s Transpek-Silox Industry limited, Kalaji Road, Atladra Road, Vadodara, Gujarat, M/s. Demosha Chemicals Pvt. Limited, 105 A, Mittal Towers, 210, Nariman Point, Mumbai and M/s. T.C.P. Limited, TCP Sapthagiri Bhavan, No. 4 (Old No. 10) Karpagambal Nagar, Mylapore, Chennai. (herein after referred to as the Applicants) have filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS) (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from China PR (herein after referred to as subject country) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods. The Authority notified the Embassy of China PR about the receipt of dumping allegation in accordance with sub rule 5(5) of Rules.

3. WHEREAS, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 28th January 2005 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of

antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

4. And whereas the Designated Authority notified preliminary findings vide notification No. 14/25/2004-DGAD dated 26.8.2005 and recommended imposition of anti-dumping duty concerning imports of SFS originating in or exported from China PR.

A. Procedure

5. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the Preliminary Findings of the above investigations by the Authority:

- (i) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to known interested parties who were interested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within 40 days from the issue of the letter.
- (ii) The Authority also forwarded copy of the preliminary findings to Embassy of the subject country in New Delhi with a request to furnish their views on the preliminary findings.
- (iii) The Authority held an oral hearing on 22.9.2005 to hear the interested parties. The party attending the Public Hearing was requested to file written submissions of the views expressed orally. The Designated Authority considered the submissions as received from the interested parties in the findings.
- (iv) The Authority has considered all views expressed in submissions made by various interested parties subsequent to the preliminary findings.
- (v) The Authority verified the information provided by the domestic industry to the extent considered necessary.
- (vi) The Authority also verified the information provided by the cooperating producer/exporter to the extent considered necessary.
- (vii) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigations;
- (viii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file (duly indexed) kept open for inspection by the interested parties. The acknowledgements of interested parties inspecting files and taking copies of the record have been kept in the public file.
- (ix) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- (x) In accordance with Rule 16 of Rules Supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received thereon have also been duly considered in these findings.

- (xi) *** in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;
- (xii) Investigation was carried out for the period starting from 1.10.2003 to 30.9.2004 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from April 2001-March 2002, April 2002-March 2003, April 2003-March 2004 and the POI.

B. Product under Consideration

6. The product under consideration is Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS).

7. It is an inorganic chemical, in the form of white chips, powder, rice- pea sized granules with slight characteristic odour. SFS is produced by chemical reaction of zinc dust, water and sulphur dioxide. There is no material difference in the different forms of the product. Production of different forms depends on requirement of end application of the customer and different forms serve the same general purpose.

8. Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS) is mainly used as powerful discharging agent in textile printing. It can also be used as white discharging agent or colour discharging agent. In the rubber industry it is used as an activating agent in the production of styrene-butadiene rubber. It also finds uses in Food, Polymers, Pharmaceuticals and Miscellaneous industries.

9. Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS) is classified under Chapter 28 of the Customs Tariff Act, 1975 under sub-headings No 28311020. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigations.

B.1 Like Article

10. The domestic industry is producing SFS in different forms such as powder, flake, rice, etc. Material imported from China is in powder and lump form. The applicant states that though SFS is produced in different forms, however, there is no material difference in the different forms and different forms serve the same general purpose.

11. Importer M/s Associate Chemicals Corporation claims that lumps and powder form of the product which is being imported from China is not manufactured in India and only chips form is manufactured in India.

12. The Exporter states that the SFS sold to India are in forms of powder and lumps but serve the same general purpose, however, powder form dissolves more quickly than the lump form. It also states that the cost of production of two forms are different.

13. The authority notes that as per Rule 2(d), 'like article' means an article which is identical or alike in all respect to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects has characteristics closely resembling those of the articles under investigations.

The Authority also notes that material produced by the domestic industry and imported from China are comparable. There is no difference in product imported from China PR and produced by the domestic industry and different forms of material serve the very same purpose. Therefore, the products produced by the domestic industry and imported from subject Country being identical in all essential characteristics are treated as like articles within the meaning of the term as per 2(d) of the Rules.

C. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation

14. The application was filed by M/s Transpek-Silox Industry limited, Kalaji Road, Atladra Road, Vadodara, Gujarat, M/s. Demosha Chemicals Pvt. Limited, 105 A, Mittal Towers, 210, Nariman Point, Mumbai and M/s. T.C.P. Limited, TCP Sapthagiri Bhavan, No. 4 (Old No. 10) Karpagambal Nagar, Mylapore, Chennai, which are the producers of the subject goods in India. The applicants account for 100% production of subject goods in India, therefore, constitute domestic industry within the meaning of the Indian Anti-dumping Rules. Other interested parties have not raised any argument in this regard at any stage of the investigation.

D. Methodology for calculation of dumping margin and examination of market economy

D.1 Views of the domestic industry

15. The domestic industry submitted that China is a non-market economy. China has been treated as non-market economy by European Commission and USA in the past three years. In India the Designated Authority has treated China as non-market economy practically in all the investigations initiated after the amendment dated 31.5.2002.

16. In this investigation, two Chinese companies, one producer and the other exporter have filed their response. Both the companies have filed their responses regarding exporters and non-market economy questionnaires. The domestic industry states that the producer itself claim that it has been privatised during the period of investigation and admits that it was not a private company at the beginning of the investigation. Even after the alleged privatisation the company continue to be significantly under State interference. The company restructured from the 'wholly State-owned enterprise' to become a 'mixed ownership' during POI and mixed ownership clearly implies that possibility of State interference is not ruled out. The domestic industry further argued that the company being wholly State owned at the start of the investigation follows that the company cannot claim market economy status.

17. The domestic industry also states that the prices of zinc or zinc dust, one of the main raw materials for production of SFS is not free from State interference as Govt. of China have imposed export duty on this product which have distorted the prices of product in China. The exporter is procuring liquid ~~soot~~ from State-owned supplier,

therefore the company was required to establish that the prices substantially reflect the fair market values, however, there is no such information in this regard. This clearly which implies that the prices of major inputs do not reflect fair market values.

D.2 EXAMINATION OF RESPONSE TO MARKET ECONOMY TREATMENT QUESTIONNAIRE BY THE AUTHORITY

18. The Designated Authority, as per para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules for the purpose of assessing the normal value proceeded with the presumption that any country that has been determined to be or has been treated as a non-market economy for the purposes of anti-dumping investigations by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economy country. In the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by WTO members such as EU and USA. In the instant case China PR has been proposed to be investigated as a non-market economy country.

19. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in subparagraph (3) in Paragraph 8 and prove the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

20. The Authority sent copies of the questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value. Responses have been received from one producer and related exporter and they have claimed Market Economy Treatment (MET). Response information to the questionnaire was filed by the following producer/exporter:

- 1. M/s Wuxi City Dongtai Fine Chemical Co. Ltd. - Producer
- 2. M/s Wuxi Greenapple Industry Co. Ltd. - Related Exporter

21. In response to questionnaire M/s Wuxi City Dongtai Fine Chemical Co. Ltd stated that the company is a limited liability company established under the Company Law of the PRC. The production facilities of the company was built in 1958 in the name of Wuxi Dazhong Chemical Factory. In December 1996 the factory was reformed into limited liability company called Wuxi Dazhong Chemical Company Ltd. As an independent legal person, the Dazhong enjoyed full autonomy in its business decision-making and daily operation and management free of Government interference. Further it is stated that on August 11, 2003 the company changed the name to Wuxi Dongtai Chemical Co. Ltd. On November 29, 2004 the company merged with another chemical company and increased its total registered capital. A new shareholder Xinyuan Machine Manufacturing Co. Ltd. joined the company with holding of 1.55% of the shares.

22. In M/s Wuxi City Dongtai Fine Chemical Co. Ltd a very high percentage of shares are held by M/s Wuxi Chemical Industry Group Company Ltd. (Group). Other two companies M/s Wuxi Chemical Industry Group Huayun Trade and Shipment Company Ltd. (Huayun) and Wuxi Chemical Industry Group Xinyuan Machine Manufacturing Co. Ltd. (Xinyuan) hold small percentages of shares in the company. As per information, 'Group' and 'Huayun' are mixed ownership companies whereas 'Xinyuan' is a privately owned company. As per explanation provided, 'Group' experienced a restructure on March 26, 2004 during which 50 natural persons subscribed all its capital shares. 28 of these natural persons took a very high percentage of equity interest in the 'Group'. For subscribing to the equity interest, these 28 natural persons borrowed money from a State-owned financial institution and pledged their equity interest with the institution. It is also clarified that no pledged interest has been realised. In 'Huayun', 'Group' holds a very high percentage of shares, therefore, it has also been defined as mixed ownership. In 'Xinyuan', apart from 'Group', 15 natural persons are also shareholders. As the natural person shareholders hold high percentage of shares, therefore, it has been defined as privately owned company.

23. In Wuxi Greenapple Chemical Co. Ltd., the exporter , the supplier of raw material and utility provider in this case, 'Group' holds a very high percentage of share, therefore, the ownership of the company has been defined as mixed ownership.

24. In Kunming Greenleaf Zinc Co. Ltd. who supplies the raw material and 'Huanyun' who provides the logistics, 'Group' holds the major shares and are subsidiaries of the 'Group'.

25. In the post-preliminary submissions, it has been submitted that natural person shareholders borrowed funds and purchased the shares in the open market and paid the amount to 'State Asset Authority', therefore, the transformation of the 'Group' has been fully completed.under market conditions. Explaining the meaning of 'mixed ownership' regarding 'Group', it has been stated that there is existence of trust relationship between shareholders, financial institutions and 'Group'. It further submitted that "trust company has to manage or dispose of property rights it manages for its trustee in its own name in accordance with the intentions of the trustee and for the benefit of the beneficiary or for specific purposes". "On the other hand, as per the actual exertion of the shareholders'

rights, the 50 shareholders have completely and independently exerted their rights as shareholders in the governance of the 'Group' and the 'Group' has been independently carrying out its business under the framework of the company law. Therefore, from that point of view the 'Group' is substantially a complete privately-owned enterprise".

26. In the post-preliminary submissions and during on the spot verification, it was stated that M/s Wuxi Dongtai Fine Chemical Industry Co. Ltd. has relocated its factory to another place as old site was declared as residential.

27. The Authority notes that the 'Group' which is a holding company for producer, exporter, supplier of the raw material and utilities is a 'mixed ownership' company. The capital contribution by the 'Group' is comprised of two components 'kind' and 'cash'. The Authority observes that as per Article of Association, the shareholders are entitled to a proportionately higher share in the net assets value of the company as compared to their total capital contribution.

28. During verification, the producer/exporter company could not produce any report about valuation of 'Group' prior to divestment. Neither could they provide any information about interest paid by the major shareholders to the financial institutions. Rather it was stated that it is a private matter between shareholder and the financial institutions.

29. About the relocation of the factory, the transaction was not clearly stated in the cash flow and it was informed that decision of relocation was taken by the 'Group' as earlier land belonged to it and even now land has been provided by the 'Group'. However, the company i.e. M/s Wuxi Dongtai Fine Chemical Industry Co. Ltd. was not aware of the process of decision with reference to land transaction indicating very clearly that the decision making with reference to the company lies in the hand of 'Group' and not in the hands of the company.

30. The claim of transformation of the 'Group' from State-owned to mixed ownership is not sufficient to establish that the 'Group' is eligible to be treated as operating under market economy conditions. From the information provided and verified, it is apparent that transformation, if any, from State-owned to mixed ownership had not taken place in accordance with market economy conditions indicating significant distortion in the financial working of the 'Group'. It is also apparent that decision-making of the producer company is controlled by the 'Group'. As the respondent company could not establish that 'Group' is operating under market economy conditions, therefore, it cannot be inferred that producer-exporter and other supplier companies whose decisions making are controlled by the 'Group' are operating under market conditions.

31. The Authority also notes that domestic industry has stated that the prices of zinc or zinc dust, one of the main raw material for the production of SFS is not free from State inference as Government of China PR has imposed export duty on this product which have distorted the prices of the product in China. The exporter in reply has commented that export duty on zinc powder etc. are neither countervailable nor are any indicator of a

NME. However, it has not been denied that zinc prices are determined by the market signals.

32. As the working of 'Group', the holding company, according to market conditions is not established, therefore, it also cannot be inferred that decisions of the producer, exporter and supplier companies in respect of prices, cost and inputs including raw materials, cost of technology and labour, output sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference, and whether costs of major inputs substantially reflect market values. The Authority is, therefore, constrained to regard the responding producer/exporter as operating in non-market economy conditions.

33. The Authority is, therefore, unable to apply the principles set out in paragraph 1 to 6 of Annexure 1 for determination of normal value for the Chinese exporters. The normal value in respect of all exporters/producers from China PR is determined as per Rules relating to non-market economy as contained in para 7 of Annexure 1 of AD Rules.

34. As per para 7 of Annexure 1 of AD Rules, the DA is required to determine normal value on the basis of 'price or constructed value in the market economy third country or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product.' No data/information is available, to explore the possibility to determine normal value in appropriate market economy third country. In this regard the domestic industry in the post-preliminary submissions stated that the Designated Authority would require verifiable information on all domestic sales by cooperating producers in the third country and its cost of production to examine the ordinary course of trade. However, they could not procure such information from the producers of market economy third country. In the post preliminary and post disclosure submissions the exporter has submitted that the Authority should invite comments about choice of surrogate country. However, the exporter could have offered such information about the market economy third country while rebutting the presumption of non-market economy. No such offer was made at any stage. In view of the aforesaid it was not possible to invite comments about choice of appropriate market economy third country. The prices from third country to India is also not possible to determine as imports from other countries (other than subject country) to India is so small to permit any meaningful conclusion of the normal value. Therefore, the Authority has determined the normal value by resorting to method 'any other reasonable basis'.

D3 Normal Value

35. Under the circumstances, the authority has constructed the normal value by considering the raw material for manufacture of SFS at the international prices, the consumption norms of the domestic industry and reasonable profit. Based on above

information available, the normal value has been calculated as USD *** per MT after considering the average exchange rate during POI of 1USD=Rs 45.45

D4. Response of M/s Dongtai Fine Chemical Co. Ltd. and M/s Wuxi Greenapple Chemical Co. Ltd. to the Exporters Questionnaire

Export Price

36. Though the normal value has been constructed considering China PR as a non-market economy, however, the data provided by the producer/exporter and the information given by the producer/exporter regarding inland transportation, insurance, ocean freight and marine insurance has been used to determine ex-factory export price. The authority has taken weighted average CIF price as USD *** of imports from the producer and after considering adjustment on account of inland freight as US\$ ***, inland insurance as US\$ ***, ex-factory export price for SFS comes to USD *** per MT. (The average exchange rate of Rs. 45.45=1USD during the period of investigation has been adopted.) (The relevant data disclosed to exporter in the Disclosure Statement as a confidential information)

D5. Other exporters/producers from China PR

Export Price

37. The ex-factory export price has been determined as per data available with the authority. The authority has taken CIF price as \$*** of imports. After considering adjustment on account of inland freight as \$ ***, inland insurance as \$ ***, ocean freight \$***, marine insurance as \$*** and commission as the average ex-factory export price for SFS comes to USD *** per MT. (The average exchange rate of Rs 45.45=1USD during the period of investigation has been adopted.)

Dumping Margin

Exporter/Producer	Normal Value	Export Price	Dumping Margin
M/s Dongtai Fine Chemicals Co. Ltd. and M/s Wuxi Greenapple Chemical Co. Ltd.	\$***	\$***	87.66%
Other exporter/producers from China PR	\$***	\$***	185.05%

38. The dumping margins are significant and above de minimis.

E. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS

E.1 Views of the domestic industry

38. The domestic industry in its submission before the Authority has argued Domestic industry is suffering injury because of dumping of subject goods from the China PR. Domestic Industry submitted that they have been forced to benchmark the prices on the basis of landed price of imports from China. Even when the domestic industry has been attempting benchmarking its prices on the basis of imports, the imports from China were undercutting the prices of the domestic industry. Existence of price undercutting and benchmarking of prices has been based on imports resulted in domestic industry being forced to reduce prices, resulting in reduction in profitability of the domestic industry. The inability of the domestic industry to effect legitimate price increases were not successful due to presence of dumped imports, thus, domestic industry suffered reduction in prices. Deterioration in profits suffered by the domestic industry is clearly due to dumped imports and deteriorating profits have had very adversely impact on cash flow and return on capital employed.

39. Even though the domestic industry has posted higher sales volumes, the growth of domestic industry is negative as regards profits. Market share of imports from China in demand in India increased significantly and as a consequence of that the Indian industry's market share declined. Though the sales volume of domestic industry has increased, its market share has declined and decline in market share of the domestic industry was due to dumped imports from China. Even though sales volume increased, the domestic industry was faced with sub-optimal capacity utilization.

Views of the Producer-Exporter (M/s Wuxi Dongtai Fine Chemical Co. Ltd. and M/s Wuxi Greenapple Chemical Co. Ltd.)

40. The producer-exporter has inter alia argued that there are improvements in a number of key parameters like demand, capacity, production, capacity utilization, sales, exports, employment, productivity, wages. Market share of domestic industry remains at a high 84% in the POI compared to 86% in the prior year. However, the Authority has found improvement inadequate. As the Hon'ble Tribunal has held that for material injury determination, the Authority is not to proceed on the basis of the ideal conditions. This means that if during POI the Authority has found improvements in many indices this cannot then be treated as inadequate compared to some ideal situation. It has also been submitted that there is no adverse effect.

E.2 Examination by the Authority

41. The Authority has taken note of various arguments raised by various interested parties in their submissions including submissions made after Preliminary Findings.

42. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute

term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

43. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

44. Since positive dumping margin has been established for the exports from the subject country, entire exports from the subject country has been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examination.

(A) VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

45. The domestic industry stated that the imports of the subject goods are being reported under heads other than 28311020. DGCI&S has provided data after making correction, however, it still shows imports on the lower side. The domestic industry has provided transaction-wise details from International Business Information Services (IBIS) and stated that this data should be relied upon as it gives the correct picture.

46. The Authority has examined data from DGCI&S, IBIS and information about the exports provided by the co-operating exporter. Data from DGCI&S shows imports less than that of reported by the exporter. It has also been verified that imports of subject goods are being reported under different sub-headings. The authority also notes that imports reported by IBIS is closer to the information about exports provided by the exporter. The Authority, therefore, relies on data reported by IBIS.

i) Import Volumes and share of subject country

Country	Unit	2001-2002	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
		Volume	Volume	Volume	Volume
		MT	MT	MT	MT
China	MT	40.00	90.00	1,010.00	1,222.40
Trend	Indexed	100	225	2,525	3,056
Other Countries	MT	-	-	20.00	40.00
Total known Imports	MT	40.00	90.00	1,030.00	1,262.40
Trend	Indexed	100	225	2575	3156
Market Share of subject country		100%	100%	98.05%	96.83%

47. Imports data shows that imports from subject country have increased significantly during period of investigation as compared to the base year i.e. 2001-02.

It increased to 1222MT during period of investigation as compared to 40 MT in 2001-02. As compared to this, imports from other countries is mere 40 MT during period of investigation as compared to 'NIL' imports in 2001-02. The market shares in imports of the subject country is 96.83% during POI.

ii) Demand, Output and Market shares

a) Growth In Demand

	Unit	2001-2002		2002-03		2003-04		Oct'03-Sep'04	
		Volume	Value	Volume	Value	Volume	Value	Volume	Value
Demand	Mt	***	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	128	127	143	129	151	124

48. Demand has been calculated by addition of domestic sales of the domestic industry and imports of subject goods from all the countries. Growth in demand is 51% (demand including captive sales increased by 60%) during POI from the base year as compared to imports from the subject country which has increased by 3056% during the same period.

b) Production of the Domestic Industry

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Installed capacity					
Domestic industry	Mt	8900	8900	9500	10000
Transpek-silox	Mt	6000	6000	6600	7100
Demosha	Mt	2400	2400	2400	2400
TCP	Mt	500	500	500	500
Trend	Indexed	100	100	107	112
Production					
Transpek-silox	Mt	***	***	***	***
Demosha	Mt	***	***	***	***
TCP	Mt	***	***	***	***
Production Domestic industry	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	129	130	143
Capacity Utilization					
Domestic industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	129	121	127

49. Data of the domestic industry on capacity, production and capacity utilisation reveals that capacity of the domestic industry increased during 2003-04 and particularly during POI by way of the de-bottlenecking of the existing capacity. Production increased consistently during the entire period, it increased by 43% during POI as compared to the base year. The capacity utilisation also improved by 27% during POI as compared to base year however the capacity utilisation remained less than the desired level keeping in view growth in demand of the subject goods.

c) Sales of Domestic Industry

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Domestic Sales	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	127	123	127
Export Sales	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	121	127	173
Captive Sales	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	265	1195	980

50. Production has increased by 43% during POI as compared to base year whereas domestic sales increased by 27% (domestic sales including captive sales increased by 35%) during the same period. During the same period average inventory has increased by 98% as compared to the base year indicating that the growth in demand has not benefited the domestic industry. Increase of 98% of average inventory during period of investigation and sales growth of 27% as compared to growth in demand of approximately 51% shows that growth in demand has not benefited the domestic industry in commensurate with growth rate.

d) Demand and Market Share

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Output/Production					
Domestic Industry	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	129	130	143
Imports - China	Mt	40	90	1010	1222
Trend	Indexed	100	225	2525	3056
Other Countries	Mt	00	00	20	40
Total known Imports	Mt	40	90	1030	1262
Trend	Indexed	100	225	2575	3156
Domestic Sales	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	127	123	127
Captive consumption	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	265	1195	980
Demand	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	128	143	151
Share in demand					
Domestic industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	86	84
China	%	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	176	1,769	2,025
Other Countries	%	-	-	0.28	0.53

51. Total domestic demand of the subject goods increased by approximately 51% during period of investigation as compared to base year 2001-02. The domestic industry raised their production by approximately 43% during the same period, however, sales increased only by 27%. Share in demand of the domestic industry came down to 84 during POI as compared to base of 100 in 2001-02 whereas share of the subject country increased to 2025 during the same period as compared to 100 from base year. (Share in demand including captive sales of the domestic industry came down to 85 during POI as compared to share of the subject country which increased to 1915 from 100 of the base year).

(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

52. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry (worked out after normating the costing information of the Domestic Industry) have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

(i) Evaluation of price over period under consideration

China PR	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Rs/MT	42507	36771	30404	29511
Indexed	100	87	72	69

53. The data on prices reveals that prices from subject country were consistently declining from base year. During POI it declined to 69 (indexed) from 100 in the base year.

(ii) Price undercutting and underselling effects

Cost of Production	Unit	2001-2002	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Domestic Industry	Rs/ MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	94	95	100
Selling price-DI	Rs/ MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	96	88
Net Sales Realisation Value (NSR x Sales)					

Trend	Indexed	100	126	118	111
Domestic Industry	Rs. Lacs	***	***	***	***
Landed value					
Customs Duty	%	35.00	30.00	25.00	21.25
China	Rs./MT	51725	46618	41335	36019
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting (Range)	%	***	***	***	23-33%
NIP					***
Price underselling					***
Price underselling (range)	%				28-38%

54. Selling price (Net Sales Realisation) of the domestic industry shows decline from base of 100 in year 2001-02 to 88 during the period of investigation as compared to the cost of production which did not change during POI as compared to the base year.

55. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject country over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the IBIS data of import prices from the subject country.

56. In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

57. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject country have been compared with the Non-injurious selling price of the domestic industry determined for the POI.

58. The Authority notes that Imports from the subject country have been significantly below the net sales realization of the domestic industry as well as the non-injurious price estimated for the domestic industry thus resulting in significant price undercutting and underselling. Price undercutting is in the range of 23-33% and price underselling is in the range of 28-38 % during POI.

(iii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

59. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

60. The trend of cost of production shows that cost of production remained same during POI as compared to base year whereas net sales realization shows marked decline of realization to 88 during POI from 100 of the base year. Landed prices have declined to 70 during POI from 100 of the base year resulting in depression in prices to 88 during POI from the 100 of the base year.

E.3 Examination of other Injury Parameters

61. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed hereunder as follows:

i) Growth

62. Growth analysed from year to year change basis, growth was positive in terms of production, capacity utilization, cost of production, imports volume and demand, whereas the growth was negative in terms of net sales realization, profits, market share of the domestic industry, return on investment.

ii) Productivity

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Employment					
Domestic industry	Nos.	***	***	***	***
	Indexed	100	106	102	102
Productivity per Employee					
Domestic industry	MT	***	***	***	***
	Indexed	100	122	127	140

63. The employment level has not changed significantly and have increased only to 102 during POI from 100 of the base year. Whereas productivity of the employees has shown marked improvement to 140 during POI from 100 of the base year. But this improved productivity has not benefited the domestic industry in term of profitability.

iii) Profits and actual and potential effects on the cash flow

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Profits					
Cost of Sales					
Domestic Industry	Rs/ MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	94	96	100
Net Sales Realisation					

Domestic Industry	Rs/ MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	96	88
Profit/Loss Per MT					
Domestic Industry	Rs/ MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	288	124	-299
Profit/Loss on Domestic Sales (PBT X Domestic Sales)					
Domestic industry	Rs Lacs	***	***	***	***
Trends	Indexed	100	367	153	-379
Cash Profit					
Domestic Industry	Rs. lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	290	152	-191

64. The cost of production remained same during the POI as compared to the base year whereas selling price declined significantly to 88 during the same period. The losses per unit during POI is a -299 as compared to profit of 100 in 2001-02. The cash profit shows losses of -191 as compared to profit of 100 in 2001-02.

iv) Employment and wages

	Unit	2001-2002		2002-03		2003-04		Oct'03-Sep'04
Employment								
Domestic industry	Nos.	***		***		***		***
Trend	Indexed	100		106		102		102
Wages	Rs. Lacs		***		***		***	***
Trend	Indexed		100		126		85	136

65. The employment level has not changed. It is 102 during POI from the 100 of the base year. The wages has grown to 136 during POI from the 100 of the base year. However, wages per unit of production increased only by 2%.

v) Return on investment and ability to raise capital

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Net Fixed Assets					
Domestic industry	Rs. Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	90	93	92
Working Capital					
Domestic industry	Rs. Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	111	110	109
Capital Employed - NFA					

Domestic industry	Rs. Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	101	102	100
Return on Capital Employed					
Domestic industry	%	***	***	***	***
	Indexed	100	177	48	-134

66. The capital employed remained at the same level during POI from the base year. Return on the investment on NFA basis turned negative to -134 from the 100 of the base year.

vi) Investment

67. The authority notes that the domestic industry has raised the capacity from 6920 MT in the base year to 8964 MT in 2003-04 by de-bottlenecking the existing capacity. There has been no fresh investment by the domestic industry during the period of investigation and there are no plan for further investment as submitted by them.

vii) Magnitude of Dumping

68. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can injure the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject country named, for the POI, is significant.

viii) Factors affecting prices

69. Change in cost structure if any, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. The cost of production remained same. However, the decline in selling price was significant. The Authority notes that Landed values of imported material from subject country is significantly below the selling price of the domestic industry, causing severe price undercutting in the Indian market.

ix) Inventories

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Oct'03-Sep'04
Average stock	Mt	***	***	***	***
	Indexed	100	156	191	198

70. The data indicates the increase of inventory by 98% during POI from the 100 of the base year. Translated in to number of days it shows that the inventory increased from 23days of sale in the base year to 36 days of sales during POI.

E.4 Conclusion on injury parameters

71. The examination of above injury parameters indicates that growth in demand was 51% during POI as compared to base year. The domestic industry increased its production by approximately 43% but sales increased only by 27%. During the same period, imports of subject goods increased significantly and it was 1222 MT during POI resulting in increase of imports shares in demand to 2025 (indexed) from the 100 of base year, whereas share of domestic industry declined to 84 during the same period.

72. The price undercutting during POI is in the range of 23-33%. The price underselling during the same period is in the range of 28-38%. The cost of production remained the same during POI as compared to the base year. The price depression is evident from the trend of net sales realization, it shows decline of NSR to 88 during POI as compared to 100 of the base year. Though the sales volume increased by 27% the sales value could increase only by 11%. Average inventory increased the same period, it was 198 during POI as compared to 100 of the base year. Profitability shows losses of -299 (indexed) during POI as compared to 100 of the base year. Similarly, cash profit shows losses of -191 (indexed) during the same period. The return on investment on NFA basis shows negative return of 134 during POI as compared to 100 of the base year.

73. The productivity has increased but despite increase in productivity, profits did not increase rather it declined.

E.5 Other Known factors and Causal Link

74. The foregoing analysis indicates that the volume of dumped imports from the subject countries have increased substantially both in absolute terms as well as in relation to the share in demand. The growth of imports from subject country have significantly displaced the market share of the domestic industry. The landed value of dumped imports from the subject country also show a significant price undercutting and underselling on the prices of the domestic industry compelling the domestic industry to benchmark its prices to imports in order to retain its market share and volume of sales in the domestic market. It also shows that improvement in volume of production and sales has not translated into profit for the domestic industry due to the pulling pressure of the prices of the dumped imports establishing a clear causal link between the dumped imports and the injury suffered due to volume and price effects.

75. The Authority has also examined the issue of causal link and other non-attribution factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

i) Volume and prices of imports from other sources

76. The authority notes that the volume of imports from other country is insignificant. Imports from the subject country is having share of 97% of total imports during Period of Investigation. Thus, imports from other countries have not contributed to the injury to the domestic industry.

ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

77. The subject goods have shown consistent growth during the injury period. The total demand of subject goods have shown growth of 51% during Period of Investigation as compared to the base year. There is also no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

78. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iv) Development of technology

79. The Authority notes that technology for production of the product has not undergone any change. Development of any other technology, therefore, cannot be attributed to the injury to the domestic industry.

v) Export performance & Captive Consumption

80. The Authority notes that the export volume of the domestic industry have shown consistent growth. The volume has increased significantly during the period of investigation as compared to the base year. Therefore, this factor is not attributable to the injury to the domestic industry. Regarding captive sales, the Authority notes that the domestic industry has a very small percentage of captive sales, however, it has shown increasing trend. Whereas demand including captive sales increased by 60% during POI, the domestic sales including captive sales increased only by 35% from the base year. Share in demand of domestic industry declined to 85 (indexed) whereas share of subject country increased to 1915 (indexed) on the base of 100 from the base year. Since captive consumption had been used for production and sales of other downstream products, no adverse price effect of dumping appeared on such captive consumption. Further since the Authority has determined average cost of production after including production meant for captive consumption, injury to the domestic industry determined is not due to possible adverse performance of the downstream products.

vi) Productivity of the Domestic Industry

81. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has shown significant improvement. Therefore, productivity is not a factor which can be attributed to the injury of the domestic industry. In fact domestic industry has tried to reduce its losses in its domestic operation through improvement in productivity.

82. No other factor which could have possibly caused injury to the domestic industry has been brought to the knowledge of Authority.

83. On the basis of the above examination it is concluded that the subject goods exported from the subject country are at prices far below their normal value, Non Injurious Price of the domestic industry and the average sales realization of the subject goods of the applicants, and the dumping, injury and causal links has been clearly established

F. Magnitude of Injury Margin

84. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject country and the injury margins have been worked out as follows:

Injury margin Calculations

Name of company	Injury Margin
Dongtai Fine Chemical Co. Ltd. and M/s Wuxi Greenapple Chemical Co. Ltd.	***
Others from China PR	***

G. Indian Industry's interest & Other Issues

85. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market which is in the general interest of the country.

86. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the subject goods or the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. With a view to minimize the impact on the downstream industry, the Authority has considered it appropriate to recommend anti dumping duty based on the lower of the dumping and injury margins. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

H. Conclusions

87. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. The subject goods have been exported to India from the subject country below its normal value;
- B. The domestic industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused by the dumped imports from subject country.

I. Recommendations

88. It is considered necessary to impose definitive anti-dumping duty on the imports of subject goods. Accordingly, the Authority recommends imposition of anti dumping duty on the imports of Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS).

89. It is decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. The landed price of imports was also compared with the non-injurious price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Accordingly, anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table

Sl. No	Sub-Heading Or Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28311020 or Any other Head of Customs	Sodium Formaldehyde Sulphoxylate (SFS)	China PR	China PR	Wuxi City Dongtai Fine Chemical Co Ltd.	Wuxi Greenapple Chemical Industry Company Limited	471.91	MT	USD
2.	Do	Do	China PR	China PR	Wuxi City Dongtai Fine Chemical Co Ltd.	Any	471.91	MT	USD
3.	Do	Do	China PR	China PR	Any	Any	657.87	MT	USD
4.	Do	Do	China PR	Any country other than China	Any	Any	657.87	MT	USD

5.	Do	Do	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	657.87	MT	USD
----	----	----	---------------------------------	----------	-----	-----	--------	----	-----

90. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

91. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 26th August, 2005.

92. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority